Social Code

1. **PRESERVE AND PROMOTE OUR LANGUAGE;**
   - By conversing in Kashmiri with our children and encouraging them to learn, speak and interact in Kashmiri.
   - By interacting and speaking with our fellow community brethren in Kashmiri.
2. **PROTECT OUR IDENTITY;**
   - By imbibing a sense of pride in our unique social, cultural and spiritual traditions.
   - By maintaining our age-old social marital order.
3. **UPHOLD OUR TRADITIONS;**
   - By following the indigenous scientific Lunar calender in observing special occasions etc.
4. **STRENGTHEN OUR BROTHERHOOD;**
   - By expanding our social circle and
   - By caring for each other, Mutual care is the only ray of hope for our Survival in Exile.
5. **STRENGTHEN SOCIO-CULTURAL INSTITUTIONS;**
   - Physically, intellectually and financially, as these are the pillars of our identity.

उद्यमो भैरवः

SATISAR FOUNDATION

Post Box No. 118, Head Post Office Rani Talab, Jammu J&K
Correspondence:- C/o 32-E, Shamker Vihar, Talab Tillo, Jammu-180002 (J&K)
OR
C/o 181-A Sector-2, Pamposh Colony, Janipur, Jammu-190007 (J&K)
E-mail : satisar2000@yahoo.com Visit us at : www.satisar.org
Tel: 9419117251, 9796457461(off), 9469493100, 09810137771 (Delhi),

RCC: 9622118949

सतीसर धारा.....

प्रस्तुत पुस्तिका समाज के उन विद्यार्थियों विशेषकर महिलाओं के लिए "देवनागरी" लिपि मे लिखी गई है ताकि महिलाएँ इनमे दिये गये ज्ञान के उन अमूल्य सूत्रों को पिरो कर अपने परिवार व समाज के लिए एक ऐसी नीवं का निर्माण करें जिससे हमारी सभ्यता का उच्चतम् ज्ञान हमारी सभी पीढीयों तक पहुँच सकें ।

आशा हे कि सभी इस ज्ञान का आगे प्रसार व प्रचार करेंगे ताकि हमारी पहचान बनी रहे।

यहाँ यह कहना उचित रहेगा कि यदि बदलाव लाना है तो शादियों व शुभ अवसरों पर होने वाले व्यर्थ खर्चें को कम करें न कि पर्वो व धार्मिक कृत्यों को।

वि. वाँगनू
9419192733

अपने गोत्र, अपने ईष्ट देव व ईष्ट देवी, स्थानीय भैरव व खान–पान की परम्पराओं को जानिएँ ताकि हमारा वंश परम्पराओं का ह्रास न हो।

हमारे पूर्वजो ने कशमीर मे इन परम्पराओं को जीवित रखा है यह भारत की मूलभूत परम्पराएँ है इनको सुरक्षित रखना हमारा दायित्व है ताकि इस अंधकार मे हमारा सामाजिक स्तर पर आपसी सामन्जस्य रहे और हम आगे भी कुलीन व श्रेष्ट नागरिक रहे।

ज्योतिषी श्री राम जी शास्त्री

सुपुत्र श्री वासुदेव काक (कर्मकाण्ड शिरोमणि) चन्द्र पोरा, सत्तू (बरेईकुजन)
इन्होने वेदों मे "अस्यवाम" पदों की संस्कृत टीका की थी जिसमे इन्होने "हवाई जहाज़" उडाने के विषय मे कई सूक्षम तथ्यो को उजागर किया था। उनमें किस प्रकार ऊर्जा का प्रयोग करना चाहिए वह सब कशमीर के मतानुसार प्रस्तुत किया था।

ऐसे महान् व्यक्तियों को हमारा नमन्।

आप सतीसर के लिए क्या कर सकते है.....

1. सतीसर फोंडेशन को एक कार्यालय की जरूरत है तकि "सांस्कृतिक शाला" व "केन्द्रीय पुस्तकालय" का कार्य निर्विघ्न चलता रहे इस विषय मे सभी विद्यार्थियों से अनुरोध हे कि एक सुयोग्य वातावरण युक्त कार्यालय को डूडने मे हमारी सहायता करें।
2. "केन्द्रीय पुस्तकालय" के लिए पुस्तकों का दान करें।
3. अपने निवास स्थान के आसपास एक मास मे कम से कम एक बार सत्संग का कार्यक्रम रखे जिसमें "सतीसर परिवार" संस्कृति व धार्मिक मूल्यो का प्रवाह कर सकें ऐसे कार्यक्रम विशेषकर बच्चो के लिए रखें।
4. किसी भी अवशयकता के समय "सतीसर परिवार" को संर्पक करें।

हमारी सभी सुविधायें निशुल्क है तथा एक जागृत समाज की ध्यौतक है।